अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : छठी – जैन धर्म विशारद (परीक्षा 16 जुलाई, 2017)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) अन्तगड़ सूत्र में भगवान महावीर के शासन की कितनी आत्माओं का वर्णन है-

(क) 51 (ख) 57

(ग) 33 (घ) 39 ( )

(b) थलचर कौनसी नरक तक जा सकता है-

(क) दूसरी (ख) तीसरी

(ग) चौथी (घ) पाँचवीं ( )

(c) कौनसी नरक से निकलने वाला साधु नहीं बन सकता है -

(क) छठी (ख) सातवीं

(ग) छठी-सातवीं (घ) कोई नहीं ( )

(d) नो गर्भज की आगति है-

(क) 395 (ख) 285

(ग) 363 (घ) 329 ( )

(e) हरिवास की गति है-

(क) 30 (ख) 40

(ग) 126 (घ) 124 ( )

(f) जीवों का भवसिद्धिपना है-

(क) स्वभाव से (ख) परिणाम से

(ग) दोनों से (घ) कोई नहीं ( )

(g) अंतगड़ सूत्र में वर्णित साध्वियों ने अध्ययन किया -

(क) 11 अंग (ख) 12 अंग

(ग) 14 पूर्व (घ) 10 पूर्व ( )

(h) दशवैकालिक का श्रामण्यपूर्वक अध्ययन है-

(क) पहला (ख) दूसरा

(ग) तीसरा (घ) चौथा ( )

(i) अस्वाध्याय के 34 कारणों में आकाश सम्बंधी है-

(क) 10 (ख) 5

(ग) 4 (घ) कोई नहीं ( )

(j) उत्तराध्ययन सूत्र है-

(क) आवश्यक सूत्र (ख)मूल सूत्र

(ग) अंग सूत्र (घ) उपांग सूत्र ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) पौषध के निमित्त आभूषण पहन सकते हैं। ( )

(b) ग्यारहवाँ पौषध देश पौषध है। ( )

(c) आत्मागम भी आगम का एक भेद है। ( )

(d) मिहिका सूक्ष्म अप्काय है। ( )

(e) इन्द्र महोत्सव के दिनों में स्वाध्याय करना चाहिए। ( )

(f) सातवीं नरक में सिर्फ तिर्यञ्च आते हैं। ( )

(g) मनुष्य मरकर तेउकाय, वायुकाय के जीव नहीं बनते हैं। ( )

(h) युगलिक को छोड़ शेष मनुष्य एवं तिर्यञ्च 179 की लड़ में हैं। ( )

(i) अंतगड़ में वर्णित सेठ सुदर्शन ने दर्शन आराधना की। ( )

(j) अंतगड़ में वर्णित भगवान महावीर के शासन की सभी आत्माएँ विपुलगिरि पर्वत पर निर्वाण को प्राप्त हुई। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मैं उत्कृष्ट मंगल हूँ। .....

(b) मैं वमन किये विष को पुनः ग्रहण नहीं करता हूँ। .....

(c) मुझ श्रमणोपासिका ने भगवान महावीर से अनेक प्रश्न किये। .....

(d) हम ऐसे मनुष्य हैं जो अपर्याप्त अवस्था में अमर हैं। .....

(e) मेरी आगति 108 की है। .....

(f) मेरी गति 535 की है। .....

(g) मैं अर्द्धमागधी भाषा में रचित हूँ। .....

(h) मेरे तीसरे अध्ययन में 52 अनाचीर्ण बताये गये हैं। .....

(i) हम ऐसे सूत्र हैं जिनमें प्रायश्चित्त आदि का विधान है। .....

(j) मेरी आराधना से आत्म-शांति का पोषण होता है। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए। **14x2 = (28)**

(a) **'संसार.....दिया।' रिक्त स्थान को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

(b) **'मैं यत्न.....बच सकता नहीं।' रिक्त स्थान को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

(c) **'नरजन्म.....रोता रहा।' रिक्त स्थान को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

(d) **'माता-पिता.....लीलावती।' रिक्त स्थान को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

(e) **यूपक का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(f) **आगम स्वाध्याय से प्राप्त दो लाभ लिखिए।**

.....

.....

(g) **कौन-कौन से युगलिक मनुष्य कौन-कौन से देवलोक में उत्पन्न होते हैं ?**

.....

.....

(h) **जलचर की गति समझाकर लिखिए।**

.....

.....

(I) साधुजी की गति विवेचन सहित लिखिए।

.....

.....

(j) 'अप्पा कत्ता.....सुप्पट्ठिओ।।' रिक्त स्थान को पूर्ण कीजिए।

.....

.....

(k) 'कोहो.....विणासणो।।' रिक्त स्थान को पूर्ण कीजिए।

.....

.....

(l) अंतगड़ में वर्णित आत्माओं को कितने-कितने दिनों का संथारा आया ?

.....

.....

(m) अंतगड़ सूत्र में उल्लेखित कोई चार तपों के नाम लिखिए।

.....

.....

(n) अंतगड़ में वर्णित भगवान अरिष्टनेमि एवं भगवान महावीर के शासन की साध्वी प्रमुखा का नाम लिखिए।

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) ''वयं च.....भमरा जहा।।'' रिक्त स्थान को पूर्ण कर अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(b) ''कहं नु.....वसंगओ।।'' रिक्त स्थान को पूर्ण कर अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(c) ''अप्पा चेव.....परत्थ य।।'' रिक्त स्थान को पूर्ण कर अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(d) ''जो पुव्वरत्तावरत्त.....समायरामि।।'' रिक्त स्थान को पूर्ण कर अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(e) ''आयावयाहि.....संपराए।।'' रिक्त स्थान को पूर्ण कर अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(f) ''जइ तं काहिसि.....भविस्ससि।।'' रिक्त स्थान को पूर्ण कर अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(g) श्रौत्रेन्द्रिय के वश में हुआ जीव कैसे कर्म बान्धता है ?

.....

.....

.....

.....

(h) **जीव सोते हुए अच्छे कैसे ? लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **18 पापों के सेवन से होने वाली तीन हानियाँ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **भवनपति देवों की आगति समझाकर लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **''नास्तं.....लोके।।'' रिक्त स्थान को पूर्ण कर अर्थ लिखिए।**

.....

.....

अर्थ.....

.....

.....

(l) **''गम्भीर.....प्रवादी।।'' रिक्त स्थान को पूर्ण कर अर्थ लिखिए।**

.....

.....

अर्थ.....

.....

.....

(m) **''किं शर्वरीषु.....कियज्जलधरै र्जलभार नम्रैः।।'' का भावार्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(n) **''तुभ्यं नमस्त्रि भुवनार्तिहराय.....भवोदधि-शोषणाय।'' का भावार्थ लिखिए।**

भावार्थ.....

.....

.....

.....